

सत्रीय कार्य पुस्तिका
स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आधार पाठ्यक्रम

1 जनवरी, 2015 से 31 दिसंबर, 2015 तक वैध

सत्रांत परीक्षा फॉर्म भरने से पहले सत्रीय कार्य जमा करना अनिवार्य है।



विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110 068

(2015)

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, आपको इस पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के प्रारूप के लिए निर्देश

- 1) अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ में सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार विवरण दें :

अनुक्रमांक संख्या :

नाम :

पता :

.....

पाठ्यक्रम कोड :

पाठ्यक्रम शीर्षक :

सत्रीय कार्य कोड :

अध्ययन केंद्र :

(नाम और कोड)

दिनांक :

मूल्यांकन की सुविधा हेतु और विलंब से बचने के लिए उपर्युक्त प्रारूप का ही उपयोग करें।

- 2) अपना उत्तर लिखने के लिए फूलस्कैप कागज का इस्तेमाल करें, जो ज्यादा पतला न हो।
- 3) प्रत्येक कागज पर बायें, ऊपर और नीचे 4 से.मी. का हाशिया छोड़ें।
- 4) आपके उत्तर सुस्पष्ट होने चाहिए।
- 5) प्रश्नों के उत्तर लिखते समय, पहले प्रत्येक उत्तर की प्रश्न संख्या और भाग संख्या अवश्य लिखें।
- 6) इस सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका को अपने अध्ययन केन्द्र के समन्वयक को निम्नलिखित तिथियों के अनुसार जमा करा दें।
31 मार्च तक, जून सत्रांत परीक्षा के लिए, तथा
30 सितंबर तक, दिसंबर सत्रांत परीक्षा के लिए।
- 7) अपनी उत्तर पुस्तिका की एक प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: FST-1
सत्रीय कार्य कोड: FST-1/TMA/2015
अधिकतम अंक: 100

1. विज्ञान के सामाजिक दायित्व पर प्रकाश डालिए। 10
2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास में स्वतंत्रता आंदोलन के प्रभाव की विवेचना कीजिए। 10
3. दैनिक जीवन की समस्याओं का समाधान वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किया जा सकता है – इसे उदाहरण की सहायता से विस्तार से समझाइए। 10
4. रासायनिक विकास के सिद्धांत को वैज्ञानिक आधार पर समझाइए। 10
5. खनिज संसाधनों की सतत उपलब्धता किस प्रकार हो सकती है? स्पष्ट कीजिए। 10
6. भारत में कृषि के संदर्भ में वैज्ञानिक संभावनाओं और सामाजिक वास्तविकताओं पर निबंध लिखिए। 10
7. जन-संचार के क्षेत्र में हुई प्रौद्योगिक उन्नति पर प्रकाश डालिए। निकट भविष्य में जन-संचार की किन तकनीकों के इस्तेमाल किए जाने की संभावनाएं हैं? 10
8. प्रौद्योगिकी स्थानान्तरण के तरीकों को विस्तार से समझाइए। 10
9. ‘परमाणु नाभिक जहां एक ओर असीमित ऊर्जा का स्रोत हो सकता है, वहां दूसरी ओर यह जड़ चेतन – दोनों के अस्तित्व मात्र के लिए खतरा भी बन सकता है।’ इस कथन की समीक्षा कीजिए। 10
10. उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से समझाइए की समाज वैज्ञानिक विकास को किस प्रकार प्रभावित करता है? 10

• • • • • FST-1 (2015) • • • • •